प्यारे तारे

श्री अभिषेक शर्मा
छात्र (कक्षा-5)

कितने सुन्दर प्यारे तारे,
लगते हैं मुझे जग से न्यारे।
बड़े तारे छोटे तारे,
कितने सुन्दर हैं प्यारे तारे।

मैं भी इन तारों पर जाऊँ,
अपने नाम को रोशन कराऊँ।
कल्पना चावला जैसा होशियार कहलाऊँ,
कितने सुन्दर हैं प्यारे तारे।

ये तारे हैं इतने सारे,
गिनते -गिनते मैं सो जाऊँ।
तारे मुझे लगते हैं प्यारे ,
कितने सुन्दर हैं प्यारे तारे ॥

******